

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, सवाई माधोपुर

GCMS NO 2015/00182

अपील संख्या - 32/15

जग्गा पुत्र श्रीकिशन जाति गुर्जर निवासी नीमली कलां तहसील व जिला सवाई माधोपुर
अपीलांट

बनाम

1. सहायक भू प्रबंध अधिकारी सवाई माधोपुर
2. तहसीलदार तहसील सवाई माधोपुर

रेसपो

(अपील विरुद्ध मु0नं0 131/2004 निर्णय दिनांक 22.10.14 न्यायालय उपजिला कलक्टर, सवाई माधोपुर)

अभिभाषक अपीला0 श्री भोलाशंकर शर्मा

अभिभाषक रेसपो पैरोकार सरकार

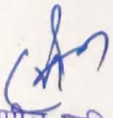
दिनांक 27.01.2025

निर्णय

प्रस्तुत अपील अपीला0 की ओर से अंतर्गत धारा 223 विरुद्ध निर्णय दिनांक 22.10.14 न्यायालय उपजिला कलक्टर, सवाई माधोपुर पेश की है ।

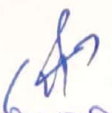
अपील के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार से हैं कि अधिनस्थ न्यायालय में अपीलांट/वादी द्वारा एक वाद पत्र बाबत इन्द्राज दुरुस्ती एवं स्थाई निषेधाज्ञा इस आशय का पेश किया गया कि वादी के कब्जे काश्त की आराजीयात ख0न0 134/275 रकबा 5 बीघा ग्राम नीमलीकलां मे स्थित है। जिसके गत सेटलमेंट द्वारा नये ख0न0 255 रकबा 0.51, 258 रकबा 0.74 ऐयर, 258/980 रकबा 0.01 ऐयर कुल किता 3 कुल रकबा 1.26 है0 बने जो वादी की कब्जे काश्त एवं खातेदारी की आराजीयात है। आराजी ख0न0 255,258,258/980 का नवीन सेटलमेंट मे नये नम्बर 260 रकबा 1.75 है0 बन गये है जिसमे से 1.26 है0 वादी की आराजीयात है। प्रतिवादी न0 1 वादी की कब्जे काश्त एवं खातेदारी की आराजीयात को चारागाह बना दिया जो निरस्त योग्य है। प्रतिवादीगण द्वारा गलत इन्द्राज करने के कारण प्रतिवादी न0 2 द्वारा वादी को बेदखल करने की धमकी देने पर वाद कारण उत्पन्न हुआ। अतः स्थाई निषेधाज्ञा इस अमर की फरमाई जावे कि वादी की कब्जे काश्त एवं खातेदारी की आराजीयात ख0न0 255,258,258/980 कुल किता 3 कुल रकबा 1.26 है0 जिसके नये नम्बर 260 रकबा 1.75 है0 किस्म चारागाह बने है जिसमे वादी की कब्जे काश्त 1.26 है0 पर प्रतिवादी किसी प्रकार की बाधा ,मदालखत न तो स्वयं करे न किसी अन्य से करावे। इस प्रकार की इस्तदुआ अधिनस्थ न्यायालय से वादी/अपीलांट द्वारा चाही जाने पर अधिनस्थ न्यायालय द्वारा वादी/अपीलांट का वाद पत्र खारिज किये जाने से व्यथित होकर अपीलांट/वादी द्वारा यह अपील इस न्यायालय मे पेश की गई है।




राजस्व अपील प्राधिकारी
सवाई माधोपुर

अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर अधिनस्थ न्यायालय का रिकार्ड तलब किया गया। रेस्पोंड को नोटिस जारी कर तलब किया गया। बहस उभयपक्ष अधिवक्तागण की अपील पर सुनी गई।

अपीलांट के अधिवक्ता ने अपील में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि खेत ख०न० 134/275 रकबा 5 बीघा प्रार्थीगण को आवंटित की गई थी। जिसकी पासबुक व राजस्व रिकार्ड अपीलांट के पक्ष में है। अर्थात् उक्त भूमि का अपीलांट रिकार्डेड खातेदार है। सेटलमेंट विभाग द्वारा खेत ख०न० 134 जो काफी बड़ा रकबा था उसमें वादी जहाँ काबिज था उसे चारागाह जमीन दर्शित कर दी और अन्य लोगों के कब्जे की भूमि पर अपीलांट का कब्जा दर्शित कर दिया। इस तथ्य पर अधिनस्थ न्यायालय ने गौर नहीं किया। प्रार्थी का पुराना ख०न० 134/275 के नवीन ख०न० सेटलमेंट विभाग द्वारा 255 रकबा 0.51 है० भूमि दर्शित की गई। जिस पर मोती पुत्र गोपीनाथ का कब्जा है तथा दूसरा नवीन ख०न० 258 रकबा 0.74 है० जिस पर देवीलाल, प्रहलाद पिसरस मोती एवं गोपाल पुत्र बद्री का कब्जा है एवं नवीन ख०न० 258/980 रकबा 0.01 है० भूमि गौर समेकिन चाह जिस पर देवीलाल वगै० का कब्जा है अर्थात् इससे ये स्पष्ट है कि प्रार्थी अपीलांट का सेटलमेंट विभाग द्वारा जो नवीन ख०न० 255,258 व 258/980 दर्शित किये हैं उस पर अपीलांट का कोई कब्जा ना तो पूर्व में रहा ना ही वर्तमान में है। बल्कि आवंटन के समय से ही अपीलांट को कब्जा खेत ख०न० 260 जिसका कुल रकबा 1.75 है० भूमि है। जिसमें अपीलांट का 1.26 है० भूमि पर कब्जा चला आ रहा है। और इसकी रिपोर्ट पटवारी हल्का द्वारा अधिनस्थ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दी गई थी। प्रार्थी के वाद पत्र के कथनों की उक्त रिपोर्ट से ताईद होती है। प्रार्थी का वर्ष 1961 से निरन्तर ख०न० 260 पर ही कब्जा रहा है। जिसे सेटलमेंट विभाग द्वारा गलत दर्शित किया गया है। इसके अलावा अन्य कहीं भी अपीलांट का कब्जा नहीं है। अधिनस्थ न्यायालय को मौका की रिपोर्ट के अनुसार वादी का दावा रिकार्ड दुरुस्ती स्वीकार किया जाना चाहिए था। जिसे खारिज कर अहम भूल की है। अपीलांट ने अपने वाद पत्र के सर्म्थन में समस्त दस्तावेजी सबूत पेश किये व गवाहान के बयान कराये। परन्तु अधिनस्थ न्यायालय द्वारा इनका कोई विवेचन नहीं किया एवं वादी का वाद पत्र खारिज कर अहम भूल की है। अधिनस्थ न्यायालय के समक्ष स्थिति बिलकुल स्पष्ट थी कि 134/275 रकबा 5 बीघा में आवंटित स्थान वर्तमान ख०न० 260 है ना कि 255,258,258/980 और मौका रिपोर्ट से इसकी पुष्टि होती है। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा गलत इन्द्राज का दुरुस्त करने के बजाय वादी का वाद पत्र गलत रूप से खारिज कर दिया गया। पटवारी हल्का की मौका रिपोर्ट दिनांक 9.10.12 पर तहसीलदार ने बिना किसी आधार के ख०न० की भिन्नता बताते हुए वाद पत्र निरस्त करने का फैसला कर अधिनस्थ न्यायालय को पत्र जारी कर दिया गया। जबकि तहसीलदार को इस प्रकार का फैसला करने का कोई अधिकार नहीं है। केवल मौका रिपोर्ट तहसीलदार से तलब की गई थी तहसीलदार द्वारा रिपोर्ट प्रेषित करने के साथ एक मौका कमिश्नर की हैसियत से उपर जाकर न्यायालय से उपर अपना मत जाहिर कर दावा खारिज करने की सिफारिश कर दी गई। जिसका तहसीलदार को कोई अधिकार नहीं है। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेज व कानूनी मान्यताओं के विपरीत है जो निरस्त योग्य है। इस प्रकार अपीलांट की अपील स्वीकार की जाकर सेटलमेंट


राजस्व अपील प्राधिकारी
सवाई माधोपुर

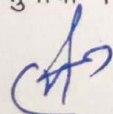
विभाग द्वारा ख0न0 134/275 रकबा 5 बीघा जिसके नवीन ख0न0 255,258,258/980 के स्थान पर ख0न0 260 दुरुस्त किये जावे तथा 255,258,258/980 को प्रार्थी के रिकार्ड से हटाया जाकर अपीलांट की अपील उक्तानुसार स्वीकार की जावे।

जबाब मे पैरोकार सरकार ने अवगत कराया कि भूमि ख0न0 255 रकबा 0.51 है0 पर गोपी पुत्र गोपीनाथ व ख0न0 258/0.74 है0 व 258/980 रकबा 0.01 है0 पर देवीलाल, प्रहलाद पिसरान मोती कुम्हार 2/3 गोपाल पुत्र बदरी गुर्जर हिस्सा 1/3 पर कब्जा है। वादी/अपीलांट द्वारा अनाधिकृत रूप से आराजी ख0न0 260 रकबा 1.75 है0 चारागाह पर कब्जा कर रखा है। अपीलांट द्वारा जिस आराजीयात ख0न0 260 मे से 1.26 है0 पर खातेदारी चाही गई है राजस्व रिकार्ड मे चारागाह भूमि दर्ज है। जिसका विधि के प्रावधानो के तहत खातेदारी दिया जाना न्याय संगत नहीं है। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा विधि के प्रावधानो के तहत ही अपीलांट/वादी का वाद पत्र खारिज किया गया है। अतः अपीलांट की अपील खारिज फरमाई जावे।

उभयपक्ष अधिवक्तागणो की बहस पर मनन किया। अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली का अवलोकन किया गया। अपीलांट का कथन रहा कि आराजी ख0न0 134/275 रकबा 5 बीघा अपीलांट को आवंटित की गई थी। जिसके सेटलमेंट विभाग द्वारा नवीन नम्बर 255 रकबा 0.51 है0 , ख0न0 258/0.74 है0 व 258/980 रकबा 0.01 है0 कुल किता 3 कुल रकबा 1.26 है0 कायम किये। अपीलांट का कथन रहा कि भूमि ख0न0 260 रकबा 1.75 है0 मे से रकबा 1.26 है0 पर अपीलांट का कब्जा है। अपीलांट द्वारा आवंटन के संबंध मे किसी प्रकार का कोई दस्तावेज ना तो अधिनस्थ न्यायालय मे पेश किया है ना ही इस न्यायालय मे पेश किया है। जिससे उसके आवंटन की ताईद हो सके। पत्रावली मे संलग्न तहसीलदार की रिपोर्ट मे आराजी ख0न0 260 रकबा 1.75 है0 किस्म चारागाह पर वादी/अपीलांट का अनाधिकृत कब्जा बताया गया है तथा जोत लगाकर कब्जा किया जाना अंकित है। चूकि: भूमि की किस्म चारागाह है जिसके खातेदारी अधिकार प्रदत्त नहीं किये जा सकते है। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा तहसीलदार से प्राप्त रिपोर्ट एवं पत्रावली मे संलग्न दस्तावेजात का सम्पूर्ण विवेचन करने के उपरान्त ही अपीलाधीन निर्णय पारित किया गया है। जिसमे किसी प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता प्रतीत नहीं होने से अपीलांट की अपील खारिज किये जाने योग्य है।

अतः अपील अपीलांट खारिज योग्य होने से खारिज की जाती है। अधिनस्थ न्यायालय उप जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर के प्रकरण संख्या 131/04 निर्णय दिनांक 22.10.14 की पुष्टि की जाती है।

निर्णय आज दिनांक 27.01.2025 को लिखाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।


(लक्ष्मी कान्त बालोत)
राजस्व अपील प्राधिकारी
सवाई माधोपुर